एम. फिल. (हिन्दी) : 2008–2009
प्रथम प्रश्न पत्र
शोध– प्रविधि और प्रकिया

पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे

I. शोध स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष

क. शोध : व्युपति, परिभाषा और स्वरूप

ख. शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन

II. शोध के प्रकार

1. क. साहित्यिक शोध

ख. अन्तर विद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय, सौन्दर्य शास्त्रीय, शास्त्रीय शोध)

2. भाषा वैज्ञानिक शोध

3. पाठालोचन

4. लोक साहित्यिक शोध

5. तुलनात्मक शोध

III. विषय चयन तथा शोध विधि

क. विषय–चयन

ख. शोध क्षेत्र तथा शोध – दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार

ग. रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति

घ. सामग्री –संकलन–विभिन्न पद्धतियां (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि) संकलित सामग्री की उपयोग विधि

IV. विषय–प्रतिपादन की पद्धति

क. साम्रगी का विभाजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात) तथा संयोजन

ख. तर्क पद्धति, निरूपण और तत वान्वेषण

ग. प्रामाणिकताः अन्तःसाक्ष्य तथा बहिः साक्ष्य

घ. उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)

ड. भूमिका, उपसंहार लेखन

च. परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री)

1. संदर्भ ग्रंथ सूची

2. पत्र व्यवहार तथा अन्य उल्लेख

3. विषयों, नामों की अनुकमणिकाए अन्य साम्रगी (चित्र स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियां।

निर्देश

परिक्षार्थी को उक्त चार खण्डों में से कुल पांच करने होगें।

प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा।

प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न पूछे जाएगें।

अधिकतम दस प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

सहायक ग्रन्थ

1. साहित्यिक शोध के आयाम : डॉ0 शशि भूषण सिंहल आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली।
2. शोध स्वरूप एवे मानक व्यवाहारिक कार्यविधि : डॉ0 बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि0 दिल्ली।
3. संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक): कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।
4. अनुसंधान–सत्येद्र, नन्द किशोर एन्ड ब्रदर्स, वाराणसी। : अज्ञेय नदी के द्वीप, असाध्य
5. शोध–प्रविधि : डॉ0 विनय मोहन शर्मा नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी साहिय की वैचारिक पृष्ठभूमि

पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे

क. विचार और साहित्य

दार्शनिक पृष्ठभूमि– अद्वैतवाद, शुद्धाद्धैतवाद, विशिष्टिद्वैतवाद, मध्ययुगीन बोध और स्वरूप
विभिन्न धर्म

I. शोध स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष

क. शोध : व्युपति, परिभाषा और स्वरूप

ख. शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन

II. शोध के प्रकार

1. क. साहित्यिक शोध

ख. अन्तर विद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय, सौन्दर्य शास्त्रीय, शास्त्रीय शोध)

2. भाषा वैज्ञानिक शोध

3. पाठालोचन

4. लोक साहित्यिक शोध

5. तुलनात्मक शोध

III. विषय चयन तथा शोध विधि

क. विषय–चयन

ख. शोध क्षेत्र तथा शोध – दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार

ग. रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति

घ. सामग्री –संकलन–विभिन्न पद्धतियां (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि) संकलित सामग्री की उपयोग विधि

IV. विषय–प्रतिपादन की पद्धति

क. साम्रगी का विभाजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात) तथा संयोजन

ख. तर्क पद्धति, निरूपण और तत वान्वेषण

ग. प्रामाणिकताः अन्तःसाक्ष्य तथा बहिः साक्ष्य

घ. उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)

ड. भूमिका, उपसंहार लेखन

च. परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री)

1. संदर्भ ग्रंथ सूची

2. पत्र व्यवहार तथा अन्य उल्लेख

3. विषयों, नामों की अनुकमणिकाए अन्य साम्रगी (चित्र स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियां।

निर्देश

परिक्षार्थी को उक्त चार खण्डों में से कुल पांच करने होगें।

प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा।

प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न पूछे जाएगें।

अधिकतम दस प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

सहायक ग्रन्थ

1. साहित्यिक शोध के आयाम : डॉ0 शशि भूषण सिंहल आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली।

2. शोध स्वरूप एवे मानक व्यवाहारिक कार्यविधि : डॉ0 बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि0 दिल्ली।

3. संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक): कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।

4. अनुसंधान–सत्येद्र, नन्द किशोर : एन्ड ब्रदर्स, वाराणसी।

5. शोध–प्रविधि : डॉ0 विनय मोहन शर्मा नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

अज्ञेय नदी के द्वीप, असाध्य

नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताएँ, राज कमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ख) आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, महाकाव्यत्व, काव्य–वैशिष्ट्य नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला का चरित्र।

कामायनी : महाकाव्यत्व, रूपक तत्त्व, समसरता और आनन्दवाद, सौन्दर्य बोध, कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ।

निराला : निराला की सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, राम की शक्तिपूजा, प्रगति चेतना, मुक्त छंदः अवधारण और प्रयोग।

अज्ञेय : प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता के रूप में अज्ञेय, नई कविता और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्यभाषा।

मुक्तिबोध : सामाजिक चेतना, फैंटे, काव्य वैशिष्ट्य, काव्य–भाषा।

नागार्जुन : काव्य–वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक–दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि।

निर्देश

1. खंड (क) पाठ्य पुस्तक में निर्धारित सभी कवियों की कविताओं से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थियों को छः अवतरणों में से किन्हीं चार की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।
2. खंड (ख) आलोच्य विषय में निर्धारित प्रश्नों में से कोई छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक कवि और उसकी कविता से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का होगा। तीनों प्रश्न 45 (3ग15) अंकों के होंगे।
3. अन्तिम प्रश्न टिप्पणी का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों एवं उनकी कविताओं से संबंधित चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। यह टिप्पणी सात अंकों की होगी।

सहायक ग्रन्थ

1.	मैथिलीशरण गुप्त	कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ. उमाकांत। नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
2.	मैथिलीशरण गुप्त और साकेत	डॉ. ब्रजमोहन शर्मा जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।
3.	साकेत एक अध्ययन	डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
4.	संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा)	डॉ. हरिहर प्रसाद गुप्त भाषा साहित्य समीक्षा प्रकाशन, इलाहाबाद।
5.	मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता	डॉ. ललन राय मंथन पब्लिकेशन, रोहतक
6.	अज्ञेय की काव्य चेतना	डॉ. कृष्ण भावुक साहित्य प्रकाशन, मालीवाड़ा दिल्ली।
7.	निराला की साहित्य साधना	डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8.	नयी कविता की भूमिका	डॉ. प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंक हाऊस, दिल्ली।
9.	छायावाद के गौरव चिह्न	श्रीपाल सिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
10.	छायावादी काव्य और निराला	डॉ. कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम, कानपुर।
11.	निराला	डॉ. पद्म सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12.	निराला और नवजागरण	डॉ. रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन सागर।
13.	निराला	डा. रामविलास शर्मा शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।
14.	निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग	डॉ. रामविलास शर्मा राजकमल दिल्ली।
15.	निराला का काव्य	डॉ. संतोष गोयल लक्ष्मी नारायण अग्रवाल आगरा।
16.	निराला	डॉ. इन्द्रनाथ मदान भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17.	निराला साहित्य–संदर्भ	डॉ. सुधाकर पाण्डेय हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
18.	काव्य पुरुष निराला	डॉ. जयनाथ नलिन, आलोक भारती प्रकाशन, करुक्षेत्र।

द्वितीय प्रश्न प्रत्र : आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

खण्ड (ख)

व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. चन्द्रगुप्त : जय शंकर प्रसाद–प्रसाद प्रकाशन, प्रसाद मंदिर, गोवर्द्धन सराय, वाराणसी।
2. आधे अधूरे : मोहन राकेश–राधाकृष्ण प्रकाशन,

			दिल्ली
3.	गोदान	:	प्रेमचंद, सास्वती प्रेस, इलाहाबाद।
			हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई।
4.	निबंध निकष (निबंध संकलन)	:	सं. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

निर्धारित निबंध

1. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्ट।
2. कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता : महावीर प्रसाद द्विवेदी।
3. मजदूरी और प्रेम : अध्यापक पूण सिंह।
    4. कविता क्या है? : आचार्य रामचंद्र शुक्त।
    5. नाखून क्यों बढ़ते हैं, : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
    6. पगडंडियों का जमाना : हरिशंकर परसाई।
    7. अस्ति की पुकार हिमालय : विद्यानिविास मिश्र।

5. **निर्धारित कहानियाँ**
    1. उसनके कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी।
    2. कफन : प्रेमचंद।
    3. आकाशदीप : जय शंकर प्रसाद।
    4. पत्नी : जैनेन्द्र।
    5. वापसी : उषा प्रियंवदा।
    6. परिंदे : निर्मल वमा।
    7. बयान : कमलेशवर।
6. आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर–राजपाल एण्ड संज, दिल्ली।

आलोच्य विषय

1. चन्द्रगुप्त : इतिहास और कल्पना, अभिनेयता, चरित्र–चित्रण, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक संदर्भ।
2. आधे अधूरे : प्रतिपाद्य, आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता, चरित्र–चित्रण और नाट्य–भाषा।
3. गोदान : यथार्थ और आदर्श, कृषक जीवन की पीड़ा का महाकाव्यात्मक उपन्यास, चरित्र–चित्रण, समस्या–निरूपण, गोदान में गांव और शहर।
4. बाणभट्ट की आत्मकथा : इतिहास और कल्पना, संस्कृति चेतना, चरित्र–चित्रण, आधुनिकता निपुणिका और नारी मुक्ति भाषा–शिल्पा।
5. पाठ्य निबन्धकारों के निबन्धों का वैशिष्ट्य और निबन्ध–शैली।
6. पाठ्य कहानीकारों की कहानियों की विशिष्टता, प्रतिपाद्य और चरित्र।
7. आवरा मसीहा : जीवनी के निकष पर, चरित्र–चित्रण, उद्देश्य, नामकरण की सार्थकता।

निर्देश

1. खंड (क) पाठ्य पुस्तक में निर्धारित रचनाओं से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थियों को छः अवतरणों में से किन्हीं चार अवतरण की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।
2. खंड (ख) आलोच्य विषय में निर्धारित आलोच्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक रचनाकार और उसकी रचना से एक–एक प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का होगा। तीनों प्रश्न 45 (3ग15) अंकों के होंगे।
3. अन्तिम प्रश्न टिप्पणी का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारां और उनकी रचना से संबंधित चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। यह टिप्पणी सात अंकों की होगी।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

2. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना—गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली।
3. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरिश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद।
4. आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
5. नाटककार मोहन राकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाश दिल्ली।
6. मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : डॉ. पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
7. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी नाट्य चिंतन : डॉ. कुसुम कुमार, साहित्य भारती, दिल्ली।
9. आधुनिक हिन्दी नाट्क : डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भण्डार, आगरा।
10. भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, एस, चांद एंड कंपनी, दिल्ली।
11. रंगमंच : बलवंत गार्गी—राजकमल प्रकाश, दिल्ली।
12. गोदान विविध संदर्भों में : डॉ. रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार।
13. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
14. गोदान मूल्यांकन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन दिल्ली।
15. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : डॉ. कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली।
16. प्रेमचन्द : डॉ. गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
17. आचार्य रामचंद्र शुक्त निबंध यात्रा : डॉ. कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली।
18. हिन्दी साहित्य में निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर।

19. सरदार पूर्ण सिंह : राम अवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
20. हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
21. समकालीन ललित निबंध : डॉ. विमला सिंहल, श्याम प्रकाशन, जयपुर।
22. कहानी : नई कहानी—डॉ नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
23. हिंदी कहानी स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
24. कहानी स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
25. हिंदी कहानी एक नई दृष्टि : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली।
26. हिंदी कहानी एक अन्तयार्त्रा : डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
27. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
28. हिंदी कहानी रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम्, कानपुर।
29. आवारा मसीहा जीवनी के निकष पर, माया मलिक, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

पाठ्य विषय

खण्ड अ : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
   - क. इतिहास—दर्शन और साहित्येतिहास
   - ख. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुर्नलेखन की समस्याएं
   - ग. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा—निर्धारण और नामकरण।

2. हिंदी साहित्य का आदिकाल
   - क. नामकरण और सीमा
   - ख. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   - ग. वर्गीकरण : सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य
   - घ. आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
   - ङ. गद्य साहित्य
   - च. प्रतिनिधि रचनाकार
3. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
   - क. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   - ख. भक्ति आन्दोलन
   - ग. विभिन्न काव्य धाराएं : वैशिष्ट्य और अवदान
     - संत काव्यधारा : वैशिष्ट्य और अवदान
     - सूफी काव्यधारा : वैशिष्ट्य और अवदान
     - राम काव्यधारा : वैशिष्ट्य और अवदान
     - कृष्ण काव्यधारा : वैशिष्ट्य और अवदान
   - घ. गद्य–साहित्य
   - ङ. भक्तिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ
   - च. प्रतिनिध रचनाकार
4. हिन्दी साहित्य का रीतिकाल
   - क. नामकरण
   - ख. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   - ग. दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रन्थों की परम्परा
   - घ. विभिन्न काव्य धाराएँ
     - रीतिबद्ध
     - रीतिसिद्ध
     - रीतिमुक्त
   - ङ. काव्यधाराओं की विशेषताएं
   - च. गद्य साहित्य
   - छ. प्रतिनिधि रचनाकार

खण्ड आ : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आधुनिक हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
   - क. परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक
   - ख. 1857 ई. की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेंदु युग : रचनाकार और पुनर्जागरण
3. द्विवेदी युग : प्रतिनिधि रचनाकार एवं साहित्यिक विशेषताएं
4. छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं साहित्यिक विशेषताएं
5. उत्तर छायावादी काव्य
   - क. प्रगतिवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - ख. प्रयोगवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - ग. नई कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - घ. नवगीत : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - ङ. समकालीन कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
6. हिन्दी गद्य की निम्नलिखित विधाओं का विकास
   - क. कहानी
   - ख. उपन्यास
   - ग. नाटक
   - घ. निबंध
   - ङ. संस्मरण
   - च. रेखाचित्र
   - छ. जीवनी
   - ज. आत्मकथा
   - झ. रिपोर्ताज
7. हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास
8. दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
9. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

निर्देश

1. खंड ''अ'' से छः प्रश्न और खण्ड ''आ'' से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को खण्ड (अ) से दो प्रश्न और खण्ड (आ) से तीन प्रश्न करने होंगे।

कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का तथा पूरा प्रश्न 80 (5×16) अंकों का होगा।

पठनीय प्रश्न

हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	:	डॉ. रामकुमार वर्मा, राम नारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
हिन्दी साहित्य की भूमिका	:	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
हिन्दी साहित्य	:	उद्भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अत्तर चन्द कपूर एण्ड सन्ज, दिल्ली।
हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	सम्पादक–डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिन्दी का गद्य साहित्य	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
मध्ययुगीन काव्य साधना	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाश, अयोध्या, फैजाबाद।
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	:	डॉ. बच्चन सिंह, राधा कृण प्रकाशन, दिल्ली।
निर्गुण काव्य	:	प्रेरणा और प्रवृति डॉ. राम सजन पाण्डेय, सद्भावना प्रकाशन, दिल्ली।
साहित्यक निबंध	:	डॉ. राम सजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली।
हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका	:	डॉ. हर महेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	:	डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेन्दु भवन, चाण्डीगढ़।
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना।
आधुनिक हिन्दी साहित्य	:	लक्ष्मी सागर वार्ष्येय, हिन्दी परिषद इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
हिन्दी साहित्य चिन्तन	:	सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नयी सड़क, दिल्ली।
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	:	राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

पाठ्य विषय
(क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषा विज्ञान
   भाषा : परिभाषा और प्रवृति
   भाषा : व्यवस्था और भाषा–व्यवहार
   भाषा : संरचना और भाषिक–प्रकार्य
   भाषाविज्ञान : परिभाषा–स्वरूप एवं व्याप्ति
   भाषा विज्ञान : अध्यन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)
2. **स्वनविज्ञान**
   स्वनविज्ञान : स्वरूप और शाखाएं वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया
   स्वन : अवधारण और वर्गीकरण
   स्वनगुण और उसकी सार्थकता
   स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
   स्वनिम : परिभाषा : अवधारण और भेद
3. **रूप एवं वाक्य**
   रूपिम की अवधारणा और भेद (मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी–संबंधदर्शी रूपिम), संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।
   वाक्य की अवधारण और भाषा की इकाई के रूप में वाक्य,
   अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद,

वाक्य के भेद

निकटस्थ अवयव

वाक्य की गहन संरचना एवं बाह्य संरचना

4. अर्थ विज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द–अर्थ संबंध

एकार्थकता, अनेकार्थता, विलोम

अर्थ–बोध के साधन

अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

5. भाषाविज्ञान की अन्य विषयों से संबंध

साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता।

भाषाविज्ञान और व्याकरण संबंध।

(ख) हिंदी भाषा

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत आर्य भाषाएँ

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकित संस्कृत – परिचय

मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश–परिचय

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ–परिचय।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण–हार्नले और ग्रियर्सन के वर्गीकरण।

2. हिंदी और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिंदी स्वरूप और संबंध हिंदी की

उपभाषाएं : पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ

पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ

राजस्थानी और उनकी बोलियाँ

पहाड़ी और उनकी बोलियाँ

काव्य भाषा के रूप में अवधी का उद्‌भव और विकास

काव्य–भाषा के रूप में ब्रज का उद्‌भव और विकास

साहित्यक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास

मानक हिंदी का रूपगत विवेचन

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप

हिंदी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्‌य, खंड्‌येतर स्वनिम

खंड्‌य स्वनिम वर्गीकरण–स्वर एवं व्यंजन

हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद

रूप रचना–हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ

लिंग, वचन, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ से हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।

हिंदी वाक्य रचना : सार्थकता, पदक्रम, अन्विति।

4. हिंदी प्रसार आंदोलन और हिंदी के विविध रूप

हिंदी–प्रसार आंदोलन–प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान हिंदी के विविध रूप–बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

5. नागरी लिपि

नागरी लिपि नामकरण और विकास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

6. हिंदी में कँप्यूटर सुविधएं

आँकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाध्न

वर्तनी–संसाधन

हिंदी भाषा–शिक्षण

निर्देश

1. खण्ड 'क' से 6 प्रश्न और खंड 'ख' से 8 प्रश्न पूछे जाएेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को खंड (क) से 2 प्रश्न तथा खंड (ख) से 3 प्रश्न करने होंगे। कुल मिलाकर 5 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का तथा पूरा प्रश्न प्रत्र 80 (5ग16) अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी — डॉ. नरेश, मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली–2006 ।
2. भाषा और भाषा विज्ञान — डॉ. नरेश, मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन दिल्ली–2001 ।
3. भाषा और भाषा विज्ञान — डॉ. बाबू राम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. हिन्दी भाषा का इतिहास — डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी, प्रयाग।

5. भाषा विज्ञान की भूमिका — डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

6. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।

7. हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास — डॉ. अवधेश्वर अरुण—बिहार ग्रंथ अकादमी पटना।

8. व्यावहारिक हिन्दी भाषा विज्ञान — शारदा भसीन, मनीषा प्रकाशन दिल्ली।

9. प्रयोजनमूलक हिन्दी — सम्पा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

10. हिन्दी उद्भव विकास और रूप — डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद।

11. खड़ी बोली का व्याकरणिक विश्लेषण — तेजपाल चौधरी—विकास प्रकाशन, कानपुर।

12. राष्ट्र भाषा (हिन्दी) प्रचार का इतिहास — श्री.पी. नारायण हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ।

13. नागरी लिपि — डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली।

14. हिन्दी भाषा — डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।

पंचम प्रश्न पत्र—विकल्प—प्रथम
(विशेष रचनाकार : कबीरदास)

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

पाठ्य विषय

कबीर ग्रंथावली—सम्पादक : डॉ. श्याम सुन्दर दास

प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

(क) साखी—निम्नांकित अंग निर्धारित हैं :—

1.	गुरुदेव कौ अंग	2.	सुमिरण कौ अंग
3.	बिरह कौ अंग	4.	ग्यान बिरह कौ अंग
5.	परचा कौ अंग	6.	निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7.	चितावणी कौ अंग	8.	मन कौ अंग
9.	माया कौ अंग	10.	सहज कौ अंग
11.	सांच कौ अंग	12.	भ्रम विधौषण कौ अंग
13.	भेष कौ अंग	14.	कुसंगति कौ अंग
15.	साध कौ अंग	16.	साध महिमा कौ अंग
17.	मधि कौ अंग	18.	सारग्राही कौ अंग
19.	उपदेश कौ अंग	20.	बेसास कौ अंग
21.	सबद कौ अंग	22.	जीवन मृतक कौ अंग
23.	हेत प्रीत सनेह कौ अंग	24.	काल कौ अंग
25.	कस्तूरियां मृग कौ अंग	26.	निंद्या कौ अंग
27.	बेली कौ अंग	28.	अविहड़ कौ अंग

(ख) पद : 1 से 100 तक

(ग) रमैणी : सम्पूर्ण

आलोच्य विषय

निर्गुण मत और कबीर

भक्ति आन्दोलन और कबीर

मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर

कबीर का युग

कबीर का जीवन

कबीर का साहित्य

कबीर की सामाजिक विचारधारा

कबीर की धार्मिक विचारधारा

कबीर का रहस्यवाद

कबीर की भाषा

कबीर का काव्य—शिल्प

कबीर की उलटवासियों

कबीर की प्रासंगिकता

कबीर के साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाषिक शब्द–अजपाजाप,

अनहदनाद, उनमन, निरंजन, सुरति निरति, सहज, शून्य नाद–बिन्दु, औंधा कुआ।

निर्देश

1. पहला खण्ड व्याख्या का होगा। व्याख्या के लिए कुछ छः अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 7 अंकों की होगी और पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।
2. खंड–ख : आलोच्य विषय में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का होगा तथा तीनों प्रश्न 45 (3x15) अंक के होंगे।
3. अन्तिम प्रश्न टिप्पणी का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित खंड–क और खंड–ख के विषयों से संबंधित चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। यह टिप्पणी 7 अंकों की होगी।

सहायक ग्रंथ

कबीर की विचार धारा	गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और	डॉ. गोबिन्द त्रिगुणायत साहित्य निकेतन।
उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि	कानपुर।
निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति	डॉ. राम सजन पाण्डेय सद्भाव प्रकाशन, दिल्ली।
कालजायी कबीर	सम्पादक हरमहेन्द्र सिंह बेदी गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
कबीर मीमांसा	डॉ. रामचन्द्र तिवारी–लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
कबीर साहित्य की परख	परशुराम चर्तुवेदी भारती भण्डार, इलाहाबद।
कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय	पीताम्बर दत्त बडथ्वाल अवध पब्लिशिंग हाऊस, लखनऊ।

कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त	सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संसथान, गुलाबपुरा।
संतों राह दुओ हम दीठा	सम्पादक–भगवानदेव पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
कबीर दर्शन –	रामजी लाल सहायक, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।
आधुनिक कबीर	डॉ. राजदेव सिंह, लोक भारती इलाहाबाद।
कबीर समग्रः प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड	प्रो. युगेश्वर, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

पंचम प्रश्न–पत्र विकल्प द्वितीय
विशेष रचनाकार : प्रेमचन्द्र

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

खण्ड (क) व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ्य सामग्री

1. रंगभूमि–सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. प्रेमाश्रम–हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. कहानियाँ : पूस की रात, सद्गति, सवा सेर गेहूं ठाकुर का कुआं, नशा ईदगाह बड़े भाई साब, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, लाटरी।
4. लेख : नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी संस्कृति, सांप्रदायिकता और संस्कृति।

खण्ड (ख) आलोच्य–विषय

1. प्रेमचन्द : संक्षिप्त जीवन वृत।
2. प्रेमचन्द का ऐतिहासिक संदर्भ।
   अ) प्रेमचन्द की पूर्व साहित्यक परम्परा (कथा साहित्य के संदर्भ में
   ब) राष्ट्रीय आन्दोलन का संदर्भ और प्रेमचन्द।
3. कहानीकार प्रेमचन्द : खण्ड क में निर्धारित कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।
4. उपन्यासकार प्रेमचन्द : सेवा सदन, रंगभूमि, प्रेमाश्रम, निर्मला।
5. प्रेमचन्द की सार्थकता

6. साहित्य चिन्तक प्रेमचन्द।

निर्देश

1. खण्ड (क) में निर्धारित सभी पुस्तकों/पाठ्य सामग्री से छः अवतरणों की व्याख्याएँ पूछी जाएंगी जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 7 अंकों की होगी और पूरा 28 अंकों का होगा।
2. खण्ड (ख) आलोच्य विषय में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का होगा तथा तीनो प्रश्न 45 (3ग15) अंकों के होंगे।
3. अन्तिम प्रश्न टिप्पणी का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों से संबंधित चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। यह टिप्पणी 7 अंकों की होगी।

सहायक ग्रन्थ

हिन्दी उपन्यास पहचान और परख इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

उपन्यास का शिल्प	गोपाल राय हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
प्रेमचन्द्र और उनका युग	डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
प्रेमचन्द्र : चिन्तन का कला	डॉ. इन्द्रनाथ मदान, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
कलम का मजदूर : प्रेमचन्द	डॉ. मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
''गोदान'' मूल्यांकन और मूल्यांकन	सम्पा डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद।
प्रेमचन्द	सपा. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी प्रकाशन संस्थान, शहादरा, दिल्ली।
गोदान–गवेषण	सपा प्रो. कपिलदेव सिंह एवं अन्य, हरिशचन्द्र सभा–वी.एन. कॉलेज, भारती भवन, पटना।
प्रेमचन्द के नारी पात्र	डॉ. ओम अवस्थी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
गोदान : विविध संदर्भों में,	डॉ. रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार।
प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना,	नित्यानंद पटेल लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली।
प्रेमचन्द : साहित्य विवेचना	डॉ. नन्द दुलारे वाजपेयी, मेकमिलन कंपनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड, दिल्ली।
प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धांत	नरेन्द्र कोहली आलोक प्रकाशन, दिल्ली।
प्रेमचन्द : आज के संदर्भ में	डॉ. गंगाप्रसाद विमल राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
प्रेमचन्द के उपन्यास	डॉ. कमल किशोर गोयनका सरस्वती प्रेस, दिल्ली।

पंचम प्रश्न–पत्र विकल्प तृतीय
हिन्दी उपन्यास

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

खण्ड (क)

व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित उपन्यास

1. शेखर : एक जीवनी–अज्ञेय–सरस्वती प्रेस, बनारस।
2. त्यागपत्र–जैनेन्द्र–हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई।
3. मैला आंचल–फणीश्वर रेणु–राजकमल, दिल्ली।
4. बूंद और समुद्र–अमृतलाल नागर–किताब महल, इलाहाबाद।
5. कब तक पुकारूँ–रांगेय राघव–राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
6. तमस–भीष्म साहनी–राजकमल पेपर बैक्स, दिल्ली।

निर्देश

1. पहला प्रश्न व्याख्या का होगा। निर्धारित सभी उपन्यासों में से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं चार की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित उपन्यासों पर एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं तथा तीनो प्रश्न 45 (3ग15) अंकों के होंगे।

3. अन्तिम प्रश्न टिप्पणी का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना और रचनाकारों से संबंधित चार टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। यह टिप्पणी 7 अंकों की होगी।

सहायक ग्रथ

1. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली।
2. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : डॉ. इंद्र नाथ मदान, लिपि प्रकाशन दिल्ली।
3. हिन्दी उपन्यास उद्भाव और विकास : सुरेश सिन्हा, लोक भारती, इलाहाबाद।
4. हिन्दी उपन्यास स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिनडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन दिल्ली।
5. हिन्दी उपन्यास : अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली।
6. आधुनिक हिन्दी उपन्यास सृजन : चंद्रकांत वाजपेयी।
7. हिन्दी उपन्यास शिल्प और प्रयोग : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. एक नजर कृष्ण सोबती पर : रोहिणी, अखिल भारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी उपन्यास के प्रतिमान : डॉ. शशिभूषण सिंहल, कला मंदिर, दिल्ली।